निरीक्षक

प्रोजेक्ट को मिल गया अनुदान

LUCKNOW (12 DEC): डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के दो छात्र समूहों को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, उत्तर प्रदेश की ओर से इंजीनियरिंग स्टूडेंट प्रोजेक्ट ग्रांट स्कीम 2024-25 के अंतर्गत अनुदान मिला है. इसमें विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के छात्र शशांक कुमार दुबे, हर्ष यादव व विशाल सिंह के प्रोजेक्ट सोलर पावर्ड ईवी चार्जिंग स्टेशन को दिनेश कुमार निषाद के मार्गदर्शन में स्वीकृति मिली है. वहीं, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के छात्र कृष्णा कुमार वर्मा एवं अंकित सेंगर के प्रोजेक्ट एप्लीकेशन आफ रिसाइकल्ड थर्मोप्लास्टिक बेस्ड फिलामेंट फार थ्रीडी प्रिंटिंग भी सहायक अध्यापक दिनेश सिंह, सहायक प्राध्यापक के निर्देशन में चयनित हुआ है.

छात्रों के प्रोजेक्ट को मिला अनुदान

लखनऊ। डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विवि के छात्रों के दो प्रोजेक्ट को उत्तर प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद से अनुदान मिला है। यह अनुदान स्टूडेंट प्रोजेक्ट ग्रांट स्कीम 2024-25 के अंतर्गत उन्हें दिया गया है। प्रवक्ता प्रो. यशवंत वीरोदय ने बताया कि विद्युत अभियांत्रिकी के छात्र शशांक दुबे, हर्ष यादव और विशाल सिंह का प्रोजेक्ट सोलर पावर्ड ईवी चार्जिंग स्टेशन और मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के छात्र कृष्णा वर्मा व अंकित सेंगर का प्रोजेक्ट एप्लीकेशन ऑफ रिसाइकल्ड थर्मोप्लास्टिक बेस्ड फिलामेंट फॉर 3-डी प्रिंटिंग सराहा गया। छात्र प्रोजेक्ट संबंधी कार्य डॉ. दिनेश सिंह व दिनेश निषाद के निर्देशन में पूरा करेंगे। छात्रों को कुलपति प्रो. संजय सिंह ने शुभकामनाएं दी हैं। (संवाद)

अब स्टडी ब्रेक वाले सात साल में पूरी कर सकेंगे स्नातक की पढ़ाई

जासं • लखनऊ : डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय स्नातक के छात्र-छात्राओं को अपनी पढ़ाई पूरी करने का मौका देगा। स्नातक अध्यादेश-2024 (एनईपी) में स्टडी ब्रेक का प्रविधान कर दिया गया है। इसके तहत यदि कोई छात्र-छात्रा एक वर्ष पूरा करके प्रमाण पत्र लेने के बाद पढ़ाई छोड़ चुका है तो ऐसे लोगों को तीन साल के अंदर फिर से चार वर्षीय स्नातक में प्रवेश का मौका मिलेगा। बशर्ते उन्हें अपना कोर्स सात साल में पूरा करना होगा।

विश्वविद्यालय में स्नातक तीन साल पूरा करने के बाद विद्यार्थी पहली बार स्नातक चौथे साल के पाठ्यक्रम में गए हैं। प्रवक्ता प्रोफेसर यशवंत वीरोदय ने बताया कि हाल ही में कुलपति आचार्य संजय सिंह की अध्यक्षता में विद्या परिषद की बैठक हुई थी, जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत स्नातक अध्यादेश 2024 को मंजूरी दे दी गई। इसमें छात्र हित में कई प्रविधान किए गए हैं। खासकर जो विद्यार्थी किसी वजह से स्नातक की पढ़ाई बीच में छोड़ देते हैं, उन्हें तीन साल के अंदर पुनः प्रवेश और सात साल में कोर्स पूरा कराने का मौका देने की व्यवस्था की गई है। इसे स्टडी ब्रेक कहा गया है। उन्होंने बताया कि चार साल के स्नातक पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को द्वितीय वर्ष के ग्रीष्मावकाश के दौरान अनिवार्य रूप से इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप करनी होगी।

सभी के लिए प्रवेश के रास्ते खुले : यदि किसी विद्यार्थी ने स्नातक प्रथम वर्ष या द्वितीय वर्ष किया है और उसके पास यूजी प्रमाण पत्र अथवा डिप्लोमा है। साथ ही निर्धारित क्रेडिट हैं तो वह विश्वविद्यालय में स्नातक की आगे की पढ़ाई के लिए प्रवेश ले सकेंगे। इसके लिए मल्टी एक्जिट व मल्टी एंट्री का प्रविधान कर दिया गया है। यह सुविधा नए सत्र से लागू हो जाएगी।

शोधार्थियों को मिलेगी 25 हजार रुपये की वित्तीय सहायता : विश्वविद्यालय के शोध छात्र-छात्राओं को भी कार्यों की आवश्यकता के अनुसार 25 हजार रुपये की वित्तीय सहायता मिलेगी। विद्या परिषद से इसका प्रस्ताव पास होने के बाद अब वित्त समिति में रखा जाएगा। गौरतलब है कि लखनऊ विश्वविद्यालय सिर्फ पीएचडी छात्राओं को शोध कार्यों के लिए पांच हजार रुपये प्रति माह तीन साल के लिए देता है।

पीएचडी के लिए ये होंगे पात्र : स्नातक तीसरे साल तक 75 प्रतिशत अंक लाने वाले को यूजी आनर्स विद रिसर्च की डिग्री मिलेगी। ऐसे विद्यार्थी सीधे पीएच.डी दाखिले के लिए पात्र होंगे। उन्हें परास्नातक करने की जरूरत नहीं होगी। पीएचडी के दाखिले यूजीसी की ओर से जारी मेरिट से लिए जाएंगे। आवेदन विश्वविद्यालय स्तर पर होंगे।

दो छात्र समूहों के प्रोजेक्ट को मिला अनुदान

जासं • लखनऊ : डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के दो छात्र समूहों को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, उत्तर प्रदेश की ओर से इंजीनियरिंग स्टूडेंट प्रोजेक्ट ग्रांट स्कीम 2024-25 के अंतर्गत अनुदान मिला है। इसमे विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के छात्र शशांक कुमार दुबे, हर्ष यादव व विशाल सिंह के प्रोजेक्ट 'सोलर पावर्ड ईवी चार्जिंग स्टेशन' को दिनेश कुमार निषाद के मार्गदर्शन मे स्वीकृति मिली है। वहीं, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के छात्र कृष्णा कुमार वर्मा एवं अंकित सैंगर के प्रोजेक्ट 'एप्लीकेशन आफ रिसाइकल्ड थर्मोप्लास्टिक बेस्ड फिलामेंट फार थ्रीडी प्रिंटिंग' भी सहायक अध्यापक दिनेश सिंह, सहायक प्राध्यापक के निर्देशन मे चयनित हुआ है।

सेमेस्टर परीक्षाएं 16 से

जासं • लखनऊ : डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के विधि संकाय ने बी.काम एलएलबी (पहले, तीसरे, पांचवें, सातवें, नवें सेमेस्टर) और एमकाम (पहले और तीसरे) सेमेस्टर परीक्षाए 16 दिसंबर से प्रस्तावित किया है। गुरुवार को संकाय की अधिष्ठाता शेफाली यादव ने परीक्षा की समय सारिणी परीक्षा नियंत्रक डा. अमित कुमार राय को भेजा है। प्रबंध शास्त्र विभाग ने बीबीए और एमबीए विषम सेमेस्टर की मिड सेमेस्टर परीक्षाएं 16 से प्रस्तावित की हैं।

ों, वैज्ञानिकों की जीवनी, से सामग्री तैयार की जा रही है।

पुनर्वास विवि के दो छात्र समूह को मिला अनुदान

अमृत विचार, लखनऊः डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विवि के इंजीनियरिंग के दो छात्रों ने सोलर पॉवर चार्जिंग स्टेशन नाम से दो पॉवर स्टेशन बनाए हैं। जिसे प्रदेश सरकार ने ग्रांट के लिए स्वीकार किया है।

विज्ञान व प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश द्वारा इंजीनियरिंग स्टूडेंट प्रोजेक्ट ग्रांट स्कीम 2024-25 के अंतर्गत विश्वविद्यालय के दो छात्र समूहों को अनुदान प्राप्त हुआ है। विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के छात्र शशांक कुमार दुबे, हर्ष यादव व विशाल सिंह का प्रोजेक्ट सोलर पावर्ड ईवी चार्जिंग स्टेशन दिनेश कुमार निषाद के मार्गदर्शन में स्वीकृत किया गया है।

मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के छात्र कृष्णा कुमार वर्मा व अंकित सेंगर का प्रोजेक्ट एप्लीकेशन ऑफ रिसाइकल्ड थर्मोप्लास्टिक बेस्ड फिलामेंट फॉर 3डी प्रिंटिंग दिनेश सिंह, सहायक प्राध्यापक के निर्देशन में चयनित हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. संजय सिंह एवं डीन एकेडमिक्स प्रोफेसर वी.के. सिंह ने दोनों टीमों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है।

बौद्धिक अक्षमता पर चलाया जागरूकता अभियान

अमृत विचार, लखनऊ : डॉ . शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के विशेष शिक्षा संकाय के बौद्धिक अक्षमता विभाग ने जागरूकता अभियान चलाया। यह अभियान विशेष शिक्षा में अध्ययनरत बीएड बौद्धिक अक्षमताद्ध के तृतीय सेमेस्टर के छात्र .छात्राओं ने चलाया। संचालन विभागाध्यक्ष डॉ . कौशल शर्मा और निर्देशन एवं असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ . संजय कुमार, डॉ . महेश कुमार चौधरी ने किया।

-जपा नड्डा, केंद्रीय मंत्री

शकुन्तला मिश्रा पुनर्वास विवि के छात्रों ने चलाया बौद्धिक अक्षमता पर जागरूकता अभियान

लखनऊ (एसएनबी)। डा. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विवि के विशेष शिक्षा संकाय के बौद्धिक अक्षमता विभाग द्वारा गत चार दिसम्बर से चलाये जा रहे जागरूकता अभियान के तहत बृहस्पतिवार को यहां के विद्यार्थियों ने लोगों को जागरूक किया गया। अभियान का संचालन विभागाध्यक्ष डा. कौशल शर्मा के निर्देशन एवं असिस्टेंट प्रोफेसर डा. संजय कुमार और डा. महेश् कुमार चौधरी के नेतृत्व में किया गया। अभियान के तहत विद्यार्थियों ने विभिन्न सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय खुशहालगंज, लक्ष्मी नरायण विद्यालय व प्राथमिक विद्यालय व जयप्रकाश सर्वोदय विद्यालय में जाकर छात्रों व शिक्षकों और अभिभावकों को बौद्धिक अक्षमता के विषय पर जागरूक किया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज में बौद्धिक अक्षमता से सम्बधित भ्रातियों को दूर करना और लोगों को इस विषय के प्रति संवेदनशील बनाना है। अभियान के दौरान विद्यार्थियों ने आओ समझे और अपनाएं शीर्षक से एक नाटक प्रस्तुत कर बताया गया कि बौद्धिक अक्षमता क्या है। यह एक ऐसी स्थित है जिसमें व्यक्ति का बौद्धिक स्तर सामान्य से कम होता है। अभियान में लोगों को यह संदेश दिया गया कि बौद्धिक अक्षमता वाले व्यक्तियों के साथ दुर्व्यवहार और उपेक्षा नहीं की जानी चाहिए बल्कि इसके बजाय उन्हें प्रोत्साहित करना चाहिए।